



जाँव का परमात्मा से सगम व्यासपीठ से अपनी ओजस्वी वाणी में अनमोल श्री ने माता सती के आत्मदाह से लेकर माता पार्वती की कठोर तपस्या और महादेव के साथ उनके परिणय सूत्र में बंधने की कथा का विस्तार से वर्णन